THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI SAWAISINGH SISODIA): (a) Yes, Sir.

(b) 1. To put a stop to all the illegal and anti-nationalist activities of the firm.

2. To repatriate all the funds accumulated by the Directors in foreign countries.

3. To make good all the loss caused to the nation by way of evasion of income-tax etc. etc.

4. To bring to book all the individuals concerned so as to set an example to the other firms and individuals engaged in or trying to engage in similar activities.

(c) The suggestion of the FOMENTO Employees' Union, Marmagao, Goa, will be duly considered while finalising the income-tax proceedings in the case of M/s Sociedade de Formen to Industrial Pvt. Ltd., Marmagao, Goa.

भारत के साथ सहयोग से संयुक्त उद्यमों की स्थापना के लिये युगोस्लाविया और रूमानिया की रुचि

3635. **श्री केशव राव पारधी** : क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत के साथ सहयोग से अन्य देशों में संयुक्त उद्यमों की स्थापना में युगोस्लाविया और रूमानिया की रुचि है; यदि हां, तो उपरोक्त दो देशों में से किस देश ने भारत के समक्ष प्रस्ताव प्रस्तुत करने में पहल की है ; और

(ख) क्या भारतीय वाणिज्य तथा उद्योग मंडल महासंघ ने, जिसने युगोस्लाविया का दौरा किया था इस बारे में भारत सरकार को कोई प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है ; यदि हां, तो तत्संबंधी रूपरेखा क्या है और इस बारे में भारत की प्रतिक्रिया क्या है ?

वाणिज्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री खुरशीद आलम खां) : (क) युगोस्लाविया तथा रूमानिया दोनों ने ही भारत के सहयोग से तीसरे देशों में संयुक्त उद्यम स्थापित करने में गहरी दिलचस्पी दिखाई है । तथापि, भारत सरकार को इन दोनों में से किसी भी देश से सरकारी तौर पर उस संबंध में कोई विशिष्ट प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

(ख) जी हां । भारतीय वाणिज्य तथा उद्योग मण्डल परिसंघ ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि :

- युगोस्लाव अर्थव्यवस्था में काफी तेजी से विकास हो रहा है ;
- युगोस्लाविया का भुगतान शेष घाटे में चल रहा है और इसलिए वह अपने व्यापारिक स्वरूप और संबंधों के आधार का विविधीकरण और विस्तार करने का इच्छुक है ;
- युगोस्लाविया भारत के साथ अपने दुतरफे व्यापार में संतुलन लाने और भारत के साथ आर्थिक सहयोग के आधार को विकसित करने व विस्तार करने में दिलचस्पी रखता है; तथा
- भारत व युगोस्लाविया की अर्थव्यवस्थाएं एक दूसरे की अनुपूरक हैं तथा और अधिक द्विपक्षीय व्यापार के साथ-साथ और अधिक औद्योगिक सहयोग की गुंजाइश उपलब्ध करती हैं ।

सरकार, युगोस्लाविया और भारत के बीच वाणिज्यक तथा आर्थिक सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं से अवगत है । दोनों देशों के प्रतिनिधिमण्डल समय-समय पर मिलते रहते हैं और ऐसे उपायों की पहल करते रहते हैं जो एक दूसरे के हित के हों ।

हथकरघा वस्तुओं की मांग

3636. **श्री नन्द किशोर शर्मा** : क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या हथकरघा उद्योग हथकरघा वस्तुओं और वस्त्रों की दिन प्रतिदिन बढ़ती हुई मांग की पूर्ति के लिए समर्थ है और यदि नहीं, तो तत्संबंधी कारण क्या है ; और